भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1992

मंगलवार, 11 दिसंबर, 2012/20 अग्रहायण, 1934 (शक)

पूर्व-पश्चिम कोरीडोर के निर्माण कार्य में तेज़ी लाना

1992. **श्री बीरेन्द्र प्रसाद वैश्य:**

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने असम के भीतर पूर्व-पश्चिम कोरीडोर के निर्माण कार्य में तेज़ी लाने तथा उसे समय पर पूरा करने हेतु कोई कदम उठाए हैं या कोई विशेष उपाय किए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं;

(घ) बैहारा-चरैली से जलकूबाड़ी तक सड़क के साथ-साथ सराय घाट के समीप पुल के निर्माण और उन्हें पूरा करने हेतु निर्धारित लक्ष्य की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) पोरबंदर से सिलचर तक पूर्व-पश्चिम कोरीडोर पर निर्माण कार्य शुरू होने से लेकर अब तक किलोमीटर-वार पूरा किए गए निर्माण कार्य के बारे में हुई प्रगति तथा उपलब्धि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री सर्वे सत्यनारायण)

(क) से (ग) समन्वय करने तथा परियोजनाओं पर निगरानी रखने के लिए गुवाहाटी में एक क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किया गया है । प्रगति पर नियमित निगरानी भी रखी जा रही है । भूमि अधिग्रहण, सार्वजनिक सुविधाओं के स्थानांतरण, वन स्वीकृति तथा पेड़ों की कटाई आदि की प्रक्रिया में तेजी लाए जाने के लिए राज्य स्तरीय समन्वय समिति भी गठित की गई हैं । पांच विलंबित परियोजनाएं रद्द की गई हैं और पुन: सौंप दी गई हैं ।

(घ) बेहाटाचरियाली से सरायघाट पुल के बीच सड़क की 21 किमी लंबाई में से लगभग 5 किमी में चार लेन बनाए जाने का कार्य पूरा हो चुका है और पैकेज की भौतिक प्रगति 35% है । जलुकबरी जंक्शन सहित सरायघाट पुल के निर्माण की भौतिक प्रगति 58% है । संपूर्ण कार्य को मार्च, 2014 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है ।

(ड.) पोरबंदर से सिलचर तक पूर्व पश्चिम महामार्ग की कुल लंबाई 3442 किमी है जिसमें से 2942 किमी लंबाई में 4 लेन बनाए जाने का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है । शेष 265 किमी लंबाई में कार्य कार्यान्वयन के अधीन है और 235 किमी लंबाई अभी सौंपी जानी शेष है । कार्यान्वयन के अधीन 265 किमी लंबाई में से लगभग 231 किमी लंबाई असम राज्य में, 14 किमी पश्चिम बंगाल राज्य में, 14 किमी बिहार राज्य में, 4.5 किमी उत्तर प्रदेश राज्य में और 1.5 किमी लंबाई राजस्थान राज्य में पड़ती है ।

*****